डॉ जीतेंद्र कुमार होता
सहायक प्राध्यापक (भूगोल)
भूगोल विभाग, दुर्गा महाविद्यालय रायपुर (छत्तीसगढ़)

छत्तीसगढ़ के 33 जिलों का सामान्य परिचय

1. रायपुरः–

यह जिले की स्थापना 1861 एवं पुनः 1 जनवरी 2012 को ($20^0$54′से $21^0$37′ उत्तर अक्षांश तथा $81^0$32′से $82^0$32′ पूर्व देशांतर) 2914.37 वर्ग किमी क्षेत्रफल में किया गया है। यहां की कुल 2160876 जनसंख्या 2011 के अनुसार है। राजधानी रायपुर समस्त जिलों का केन्द्र है। यह ज़िला पहले दक्षिणी कोशल का हिस्सा था, रायपुर के बारे में कहा जाता है कि राजा रामचंद्र के पुत्र ब्रह्मदेव राय ने स्थापना की थी। शहर का नाम ब्रह्मदेव राय के नाम पर 'रायपुर' रखा गया था। ऐतिहासिक और पुरातात्विक दृष्टि से रायपुर जिला महत्वपूर्ण है।

2. बिलासपुरः–

यह जिले की स्थापना 1861 को ($21^0$13′ से $22^0$36′ उत्तर अक्षांश तथा $81^0$44′ से $82^0$28′ पूर्व देशांतर) 3511.10 वर्ग किमी क्षेत्रफल में किया गया है। यहां की कुल 1625502 जनसंख्या 2011 के अनुसार है। राजधानी रायपुर से 115.06 किमी दुरी सड़क मार्ग (राष्ट्रीय राज्यमार्ग 130) से 2 घण्टा 09 मिनट समय पर पहुंचा जा सकता है। बिलासपुर प्रशासनिक एवं शहरी दोनों क्षेत्रों में राज्य का दूसरा सबसे प्रमुख एवं बड़ा शहर है। ऐतिहासिक रूप से बिलासपुर, रतनपुर के कलचुरी राजवंश का भाग था।

3. दुर्गः–

यह जिले की स्थापना 01 जनवरी 1906 को ($20^0$51′ से $21^0$32′ उत्तर अक्षांश तथा $81^0$09′ से $81^0$37′ पूर्व देशांतर) 2319.99 वर्ग किमी क्षेत्रफल में किया गया है। यहां की कुल 1721748 जनसंख्या 2011 के अनुसार है, जो कि पहले रायपुर, बिलासपुर का हिस्सा था। राजधानी रायपुर से 39.02 किमी दुरी सड़क मार्ग (राष्ट्रीय राज्यमार्ग 53) से 1 घण्टा 17 मिनट समय पर पहुंचा जा सकता है।

4. रायगढ़ः–

यह जिले की स्थापना 01 जनवरी 1948 को ($21^0$40′ से $22^0$46′ उत्तर अक्षांश तथा $82^0$54′ से $83^0$50′ पूर्व देशांतर) 6527.74 वर्ग किमी क्षेत्रफल में किया गया है। यहां की कुल 111298 जनसंख्या 2011 के अनुसार है। राजधानी रायपुर से 250 किमी

या 261 किमी दुरी सड़क मार्ग (राष्ट्रीय राज्यमार्ग क्रमशः 53 या 130) से 4 घण्टा 58 मिनट या 5 घण्टा 40 मिनट समय पर पहुंचा जा सकता है।

5. सरगुजाः–

यह जिले की स्थापना 01 नवम्बर 1948 को ($22^0$38′ से $23^0$16′ उत्तर अक्षांश तथा $82^0$45′ से $83^0$42′ पूर्व देशांतर) 5019.80 वर्ग किमी क्षेत्रफल में किया गया है। यहां की कुल 840352 जनसंख्या 2011 के अनुसार है। छत्तीसगढ़ का शिमला मैनपाट यहां प्रसिद्ध है। राजधानी रायपुर से 323.06 किमी दुरी सड़क मार्ग (राष्ट्रीय राज्यमार्ग 130) से 7 घण्टा 55 मिनट समय पर पहुंचा जा सकता है। छत्तीसगढ़ राज्य के उत्तरी भाग में स्थित है।

6. बस्तरः–

यह जिले की स्थापना 1948 को ($18^0$45′ से $19^0$33′ उत्तर अक्षांश तथा $81^0$21′ से $82^0$09′ पूर्व देशांतर) 6596.90 वर्ग किमी क्षेत्रफल में किया गया है। यहां की कुल 834873 जनसंख्या 2011 के अनुसार है। राजधानी रायपुर से 280.04 किमी दुरी सड़क मार्ग (राष्ट्रीय राज्यमार्ग 30) से 6 घण्टा 32 मिनट समय पर पहुंचा जा सकता है। बस्तर जिले एवं बस्तर संभाग का मुख्यालय जगदलपुर शहर है। यह पहले दक्षिण कोशल नाम से जाना जाता था।

7.राजनांदगांवः–

यह जिले की स्थापना 26 जनवरी 1973 को ($20^0$46′ से $21^0$22′ उत्तर अक्षांश तथा $80^0$24′ से $81^0$14′ पूर्व देशांतर) 2145.67 वर्ग किमी क्षेत्रफल में किया गया है, जो कि पहले दुर्ग का हिस्सा था। यहां की कुल 884742 जनसंख्या 2011 के अनुसार है। राजधानी रायपुर से 71.08 किमी दुरी सड़क मार्ग (राष्ट्रीय राज्यमार्ग 53) से 1 घण्टा 52 मिनट समय पर पहुंचा जा सकता है। राजनंदगांव भी एक संस्कृति केंद्रित शहर था, पहले शहर को नंदग्राम कहा जाता था। महल, सड़कों, राजनांदगांव के पुराने और ऐतिहासिक अवशेष पिछले युग की संस्कृति और महिमा दर्शाते हैं।

8.कोरियाः–

यह जिले की स्थापना 25 मई 1998 को ($23^0$08′ से $23^0$50′ उत्तर अक्षांश तथा $82^0$15′ से $82^0$46′ पूर्व देशांतर) 2378.00 वर्ग किमी क्षेत्रफल में किया गया है जो कि पहले सरगुजा का हिस्सा था। यहां की कुल 247427 जनसंख्या 2011 के अनुसार है। राजधानी रायपुर से 329.04 किमी दुरी सड़क मार्ग (राष्ट्रीय राज्यमार्ग 130) से 7 घण्टा 25 मिनट समय पर पहुंचा जा सकता है।

9. जशपुरः–

यह जिले की स्थापना 25 मई 1998 को ($22^0$17′ से $23^0$12′ उत्तर अक्षांश तथा $83^0$24′ से $84^0$23′ पूर्व देशांतर) 6457.41 वर्ग किमी क्षेत्रफल में किया गया है, जो कि रायगढ़ का हिस्सा था। यहां की कुल 851669 जनसंख्या 2011 के अनुसार है। राजधानी रायपुर से 462.07 किमी दुरी सड़क मार्ग (राष्ट्रीय राज्यमार्ग 53) से 7 घण्टा

22 मिनट समय पर पहुंचा जा सकता है। जशपुर जिला झारखंड और ओडिशा की सीमा के निकट छत्तीसगढ़ राज्य के उत्तर–पूर्वी कोने में स्थित है।

10. कोरबाः–

यह जिले की स्थापना 25 मई 1998 को ($22^0$03′ से $23^0$00′ उत्तर अक्षांश तथा $82^0$09′ से $83^0$07′ पूर्व देशांतर) 7145.44 वर्ग किमी क्षेत्रफल में किया गया है, जो कि पहले बिलासपुर का हिस्सा था। यहां की कुल 1206640 जनसंख्या 2011 के अनुसार है। राजधानी रायपुर से 208.00 किमी दुरी सड़क मार्ग (राष्ट्रीय राज्यमार्ग 130) से 4 घण्टा 35 मिनट समय पर पहुंचा जा सकता है। ऊर्जा राजधानी के नाम से प्रसिद्ध, कोरबा को राज्य के आद्योगिक केंद्र के रूप में भी जाना जाता है।

11. जांजगीर–चांपाः–

यह जिले की स्थापना 25 मई 1998 को ($21^0$41′ से $22^0$16′ उत्तर अक्षांश तथा $82^0$20′ से $82^0$51′ पूर्व देशांतर) 3853.00 वर्ग किमी क्षेत्रफल में किया गया है, जो कि पहले बिलासपुर का हिस्सा था। यहां की कुल 966671 जनसंख्या 2011 के अनुसार है। राजधानी रायपुर से 152.02 किमी दुरी सड़क मार्ग (राष्ट्रीय राज्यमार्ग 130) से 2 घण्टा 53 मिनट समय पर पहुंचा जा सकता है। जांजगीर–चांपा जिले के मुख्यालय से निकटतम रेल्वे स्टेशन नैला एवं चांपा स्टेशन है।

12. कांकेरः–

यह जिले की स्थापना 25 मई 1998 का ($19^0$42′ से $20^0$32′ उत्तर अक्षांश तथा $80^0$25′ से $81^0$49′ पूर्व देशांतर) 6432.68 वर्ग किमी क्षेत्रफल में किया गया है, जो कि पहले बस्तर का हिस्सा था। यहां की कुल 748941 जनसंख्या 2011 के अनुसार है। राजधानी रायपुर से 126.06 किमी दुरी सड़क मार्ग (राष्ट्रीय राज्यमार्ग 30) से 3 घण्टा 10 मिनट समय पर पहुंचा जा सकता है। यह लघुबंगाल के नाम से प्रंसिद्ध है।

13. दंतेवाड़ाः–

यह जिले की स्थापना 25 मई 1998 को ($18^0$23′ से $19^0$11′ उत्तर अक्षांश तथा $81^0$08′ से $81^0$45′ पूर्व देशांतर) 3410. 50 वर्ग किमी क्षेत्रफल में किया गया है। यहां की कुल 283479 जनसंख्या 2011 के अनुसार है। राजधानी रायपुर से 340.00 किमी दुरी सड़क मार्ग (राष्ट्रीय राज्यमार्ग 30) से 7 घण्टा 45 मिनट समय पर पहुंचा जा सकता है। बस्तर क्षेत्र के दक्षिण भाग मे स्थित होने के कारण इस जिले का नाम दक्षिण बस्तर को दंतेवाड़ा रखा गया।

14. कवर्धा (कबीरधाम**):–**

यह जिले की स्थापना 06 जुलाई 1998 को ($21^0$42′ से $22^0$31′ उत्तर अक्षांश तथा $80^0$50′ से $81^0$33′ पूर्व देशांतर) 4447.05 वर्ग किमी क्षेत्रफल में किया गया है, जो कि पहले बिलासपुर एवं राजनांदगांव का हिस्सा था। यहां की कुल 822526 जनसंख्या

2011 के अनुसार है। राजधानी रायपुर से 116.07 किमी दुरी सड़क मार्ग (राष्ट्रीय राज्यमार्ग 30) से 2 घण्टा 30 मिनट समय पर पहुंचा जा सकता है।

15. महासमुन्दः–

यह जिले की स्थापना 06 जुलाई 1998 को ($20^0$49′ से $21^0$33′ उत्तर अक्षांश तथा $82^0$00′ से $83^0$16′ पूर्व देशांतर) 4790.00 वर्ग किमी क्षेत्रफल में किया गया है, जो कि पहले रायपुर का हिस्सा था। यहां की कुल 1032754 जनसंख्या 2011 के अनुसार है। राजधानी रायपुर से 65.00 किमी दुरी सड़क मार्ग (राष्ट्रीय राज्यमार्ग 53) से 1 घण्टा 17 मिनट समय पर पहुंचा जा सकता है।

16. धमतरीः–

यह जिले की स्थापना 06 जुलाई 1998 को ($20^0$03′ से $21^0$01′ उत्तर अक्षांश तथा $81^0$25′ से $82^0$09′ पूर्व देशांतर) 4081.93 वर्ग किमी क्षेत्रफल में किया गया है, जो कि पहले रायपुर का हिस्सा था। यहां की कुल 799897 जनसंख्या 2011 के अनुसार है। राजधानी रायपुर से 65.08 किमी दुरी सड़क मार्ग (राष्ट्रीय राज्यमार्ग 30) से 1 घण्टा 50 मिनट समय पर पहुंचा जा सकता है। सत्याग्रह के लिए यह एक प्रसिद्ध नगर है, छत्तीसगढ़ क्षेत्र के उपजाऊ मैदानों में स्थित है।

17. नारायणपुरः–

यह जिले की स्थापना 01 मई 2007 को ($19^0$13′ से $19^0$56′ उत्तर अक्षांश तथा $80^0$40′ से $81^0$31′ पूर्व देशांतर) 6922.68 वर्ग किमी क्षेत्रफल में किया गया है, जो कि पहले बस्तर का हिस्सा था। यहां की कुल 139820 जनसंख्या 2011 के अनुसार है। राजधानी रायपुर से 222.02 किमी दुरी सड़क मार्ग (राष्ट्रीय राज्यमार्ग 30) से 5 घण्टा 17 मिनट समय पर पहुंचा जा सकता है।

18. बीजापुरः–

यह जिले की स्थापना 01 मई 2007 को ($18^0$09′ से $19^0$23′ उत्तर अक्षांश तथा $80^0$16′ से $81^0$30′ पूर्व देशांतर) 6552.96 वर्ग किमी क्षेत्रफल में किया गया है, जो कि पहले दंतेवाडा का हिस्सा था। यहां की कुल 255230 जनसंख्या 2011 के अनुसार है। राजधानी रायपुर से 415.09 किमी दुरी सड़क मार्ग (राष्ट्रीय राज्यमार्ग 30 एवं 63) से 9 घण्टा 44 मिनट समय पर पहुंचा जा सकता है।

19. सुरजपुरः–

यह जिले की स्थापना 01 जनवरी 2012 को ($22^0$48′ से $23^0$54′ उत्तर अक्षांश तथा $82^0$30′ से $83^0$22′ पूर्व देशांतर) 2786.76 वर्ग किमी क्षेत्रफल में किया गया है, जो कि पहले सरगुजा का हिस्सा था। यहां की कुल 789043 जनसंख्या 2011 के अनुसार है। राजधानी रायपुर से 324.05 किमी दुरी सड़क मार्ग (राष्ट्रीय राज्यमार्ग 130) से 7 घण्टा 34 मिनट समय पर पहुंचा जा सकता है।

20. बलरामपुरः–

यह जिले की स्थापना 01 जनवरी 2012 को (23°10′ से 24°05′ उत्तर अक्षांश तथा 82°42′ से 84°05′ पूर्व देशांतर) 3457.60 वर्ग किमी क्षेत्रफल में किया गया है, जो कि पहले सरगुजा का हिस्सा था। यहां की कुल 730491 जनसंख्या 2011 के अनुसार है। राजधानी रायपुर से 449.01 किमी दुरी सड़क मार्ग (राष्ट्रीय राज्यमार्ग 130) से 10 घण्टा 30 मिनट समय पर पहुंचा जा सकता है। बलरामपुर–रामानुजगंज जिला छत्तीसगढ़ राज्य के उत्तरी भाग में स्थित है।

21. मुंगेलीः–

यह जिले की स्थापना 01 जनवरी 2012 को (21°48′ से 22°41′ उत्तर अक्षांश तथा 81°29′ से 82°02′ पूर्व देशांतर) 2750.36 वर्ग किमी क्षेत्रफल में किया गया है, जो कि पहले बिलासपुर का हिस्सा था। यहां की कुल 701707 जनसंख्या 2011 के अनुसार है। राजधानी रायपुर से 102.00 किमी दुरी सड़क मार्ग (राष्ट्रीय राज्यमार्ग 30) से 2 घण्टा 05 मिनट समय पर पहुंचा जा सकता है।

22. बेमेतराः–

यह जिले की स्थापना 01 जनवरी 2012 को (21°20′ से 22°00′ उत्तर अक्षांश तथा 81°08′ से 81°56′ पूर्व देशांतर) 2854.81 वर्ग किमी क्षेत्रफल में किया गया है, जो कि पहले दुर्ग का हिस्सा था। यहां की कुल 795759 जनसंख्या 2011 के अनुसार है। राजधानी रायपुर से 67.00 किमी दुरी सड़क मार्ग (राष्ट्रीय राज्यमार्ग 30) से 1 घण्टा 20 मिनट समय पर पहुंचा जा सकता है।

23. बालोदः–

यह जिले की स्थापना 01जनवरी 2012 को (20°23′ से 21°05′ उत्तर अक्षांश तथा 80°49′ से 81°33′ पूर्व देशांतर) 352700 वर्ग किमी क्षेत्रफल में किया गया है. जो कि पहले दुर्ग का हिस्सा था। यहां की कुल 826165 जनसंख्या 2011 के अनुसार है। राजधानी रायपुर से 97.02 किमी दुरी सड़क मार्ग (राष्ट्रीय राज्यमार्ग 53) से 2 घण्टा 35 मिनट समय पर पहुंचा जा सकता है। बालोद का इतिहास भी काफी गौरवशाली रहा है।

24. बलौदाबाजारः–

यह जिले की स्थापना 01 जनवरी 2012 को (21°15′ से 21°53′ उत्तर अक्षांश तथा 81°40′ से 82°42′ पूर्व देशांतर) 3733.87 वर्ग किमी क्षेत्रफल में किया गया है, जो कि पहले रायपुर का हिस्सा था। यहां की कुल 1093739 जनसंख्या 2011 के अनुसार है। राजधानी रायपुर से 85.00 किमी दुरी सड़क मार्ग (राष्ट्रीय राज्यमार्ग 130) से 1 घण्टा 53 मिनट समय पर पहुंचा जा सकता है। अंग्रेज काल में 1854 से 1864 तक बलौदा बाजार व भाटापारा रायपुर जिले का अंग था। प्रशासनिक दृष्टिकोण से अंग्रेजों द्वारा बलौदा बाजार से 2 किमी दूर स्थित ग्राम परसाभदेर (मिशन) में विश्राम गृह, चर्च, अस्पताल व निवास निर्मित कराया गया।

25. गरियाबन्दः–

यह जिले की स्थापना 01 जनवरी 2012 को (19^{0}47′ से 21^{0}06′ उत्तर अक्षांश तथा 81^{0}53′ से 82^{0}43′ पूर्व देशांतर) 5822.86 वर्ग किमी क्षेत्रफल में किया गया है, जो कि पहले रायपुर का हिस्सा था। यहां की कुल 597653 जनसंख्या 2011 के अनुसार है। राजधानी रायपुर से 91.07 किमी दुरी सड़क मार्ग (राष्ट्रीय राज्यमार्ग 130) से 2 घण्टा 12 मिनट समय पर पहुंचा जा सकता है।

26. कोण्डागांवः–

यह जिले की स्थापना 01 जनवरी 2012 को (19^{0}12′ से 20^{0}12′ उत्तर अक्षांश तथा 81^{0}18′ से 82^{0}04′ पूर्व देशांतर) 6050.73 वर्ग किमी क्षेत्रफल में किया गया है, जो कि पहले बस्तर का हिस्सा था। इसका प्राचीन नाम कोण्डानार था। 2011 के अनुसार है। राजधानी रायपुर से 212.05 किमी दुरी सड़क मार्ग (राष्ट्रीय राज्यमार्ग 30) से 5 घण्टा 10 मिनट समय पर पहुंचा जा सकता है।

27. सुकमाः–

यह जिले की स्थापना 01 जनवरी 2012 को (17^{0}47′ से 18^{0}46′ उत्तर अक्षांश तथा 80^{0}55′ से 81^{0}58′ पूर्व देशांतर) 5767.02 वर्ग किमी क्षेत्रफल में किया गया है, जो कि पहले दंतेवाडा का हिस्सा था। यहां की कुल 270821 जनसंख्या 2011 के अनुसार है। राजधानी रायपुर से 394.08 किमी दुरी सड़क मार्ग (राष्ट्रीय राज्यमार्ग 30) से 9 घण्टा 05 मिनट समय पर पहुंचा जा सकता है, जिला बस्तर का दक्षिणी भाग है।

28. पेण्डा,मरवाही,पेन्ड्रारोड (गौरेला) :–

यह जिले की स्थापना 10 फरवरी 2020 को (22^{0}34′ से 23^{0}07′ उत्तर अक्षांश तथा 81^{0}44′ से 82^{0}5′ पूर्व देशांतर) 2307.39 वर्ग किमी क्षेत्रफल में किया गया है, जो कि पहले बिलासपुर का हिस्सा था। यहां की कुल 336420 जनसंख्या 2011 के अनुसार है। राजधानी रायपुर से 213.00 किमी दुरी सड़क मार्ग (राष्ट्रीय राज्यमार्ग 130) से 4 घण्टा 36 मिनट समय पर पहुंचा जा सकता है।

29. मोहला–मानपुर –अम्बागढ़ चौकी

यह जिले की स्थापना 2 सितम्बर 2022 को (20^{0}06′ से 20^{0}52′ उत्तर अक्षांश तथा 80^{0}23′ से 81^{0}00′ पूर्व देशांतर) 2146.67 वर्ग किमी क्षेत्रफल में किया गया है, जो कि पहले राजनांदगांव का हिस्सा था। यहां की 283947 जनसंख्या 2011 के अनुसार है। राजधानी रायपुर से 150 किमी दुरी सड़क मार्ग (राष्ट्रीय राज्यमार्ग 53) से 2 घण्टा 55 मिनट समय पर पहुंचा जा सकता है।

30. सारंगढ़–बिलाईगढ़ः–

यह जिले की स्थापना 3 सितंबर 2022 को (21^{0}21′ से 21^{0}44′ उत्तर अक्षांश तथा 82^{0}37′ से 83^{0}30′ पूर्व देशांतर) 1180.30 वर्ग किमी क्षेत्रफल में किया गया है,

पहले यह जिला रायगढ़ एवं बलौदाबजार का हिस्सा हुआ करता था। यहां की कुल 607434 जनसंख्या 2011 के अनुसार है।

31. खैरागढ़–छुईखदान– गंडईः–

यह जिले की स्थापना 3 सितंबर 2022 को ($21^0$14′ से $21^0$50′ उत्तर अक्षांश तथा $80^0$39′ से $81^0$12′ पूर्व देशांतर) 1551.97 वर्ग किमी क्षेत्रफल में किया गया है, पहले यह जिला राजनांदगांव का हिस्सा था। यहां की कुल 368444 जनसंख्या 2011 के अनुसार है। राजधानी रायपुर से 75 किमी दुरी सड़क मार्ग (राष्ट्रीय राज्यमार्ग 53) से 2 घण्टा 10 मिनट समय पर पहुंचा जा सकता है।

32. मनेन्द्रगढ़–चिरमिरी–भरतपुरः–

यह जिले की स्थापना 9 सितंबर 2022 को ($22^0$55′ से $23^0$55′ उत्तर अक्षांश तथा $81^0$34′ से $82^0$36′ पूर्व देशांतर) 4226.00 वर्ग किमी क्षेत्रफल में किया गया है, पहले यह जिला कोरिया का हिस्सा था। यहां की कुल 376000 जनसंख्या 2011 के अनुसार है। राजधानी रायपुर से 329.04 किमी दुरी सड़क मार्ग (राष्ट्रीय राज्यमार्ग 130) से 7 घण्टा 25 मिनट समय पर पहुंचा जा सकता है।

33. सक्तीः–

यह जिले की स्थापना 9 सितंबर 2022 को ($21^0$40′ से $22^0$09′ उत्तर अक्षांश तथा $82^0$46′ से $83^0$19′ पूर्व देशांतर) 1519.76 वर्ग किमी क्षेत्रफल में किया गया है, पहले यह जांजगीर–चांपा जिले का हिस्सा हुआ करता था। यहां की कुल 653036 जनसंख्या 2011 के अनुसार है। जिले में डोलोमाइट के प्रचुर भंडार हैं। राजधानी रायपुर से 155 किमी दुरी सड़क मार्ग (राष्ट्रीय राज्यमार्ग 130) से 2 घण्टा 55 मिनट समय पर पहुंचा जा सकता है।

छत्तीसगढ़ के 33 जिलों में से सीमा रेखा 22 जिला बनाते तथा भू–अवेष्ठित 11 जिला हैं। छत्तीसगढ़ को सांस्कृतिक दृष्टि से लघु भारत या लोक संस्कृति का आंगन कहा जाता है। यह प्रदेश संस्कृतिक–सभ्यता के क्षेत्र में भारत में ही नहीं विश्व में अपनी अलग पहचान है। यहां की भाषा, यहां की लगभग 42 जनजातियां, वेशभूषा, आभूषण, भोजन, पकवान तथा रहन–सहन, संस्कार, शिक्षा का स्तर, व्यवसाय के स्तर, लोक कला, साहित्य के क्षेत्र में अपना स्थान स्थापित किया है।

———————